Hindustan Times

Electoral observers must be impartial: CEO

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

DEHRADUN: Chief electoral officer BVRC Purushottam on Friday said that electoral observers have an important responsibility to monitor the entire electoral process independently and impartially and contribute to transparency, fairness and public confidence during elections.

The officer attended a one-day international conference on "Model Standards for Electoral Observers" organised by the Office of the Chief Electoral Officer in Dehradun on Friday. More than 400 participants attended the conference in hybrid mode, including representatives of election management bodies from the USA, Romania, Ireland, Indonesia, Uzbekistan, Hungary and Nepal, besides academicians from over 20 universities and members of various faculties.

Office of the Chief Electoral Officer holds one-day conference in Dehradun. HT

Speaking as the chief guest at the inaugural session, Purushottam said the role of an "electoral observer covered the entire election process and required independence and impartiality". He said observers played a "crucial role in ensuring that elections were conducted transparently and fairly and in strengthening public confidence in the electoral system". He said the conference reflected India's spirit during its chairmanship of International IDEA and sought to strengthen election management bodies by bringing academicians, election management agencies and international experts onto a common platform for knowledge and experience sharing.

Addressing the conference virtually, senior deputy election commissioner of the election commission of India Gyanesh Kumar Bharti said the "active and impartial presence of observers helped election machinery function more effectively, transparently and accountably".

He emphasised that maintaining public trust in the electoral process under all circumstances was the paramount responsibility of every electoral observer. During the inaugural session, Graphic Era Hill University vice-chancellor Prof Tabassum Naqvi delivered the welcome address and commended the Election Commission's efforts to develop modern training modules in collaboration with educational institutions and subject matter experts.

The second session focused on the role of expenditure and police observers. Haridwar district magistrate Mayur Dixit highlighted the importance of field-level election machinery in ensuring fair voting.

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

The Pioneer

Role of electoral observer important in transparency & fairness of elections: Purushottam

PIONEER NEWS SERVICE ■ Dehradun

The chief electoral officer (CEO), Uttarakhand BVRC Purushottam has said that the role of an electoral observer is to contribute in strengthening transparency, fairness and public confidence in elections by monitoring the entire election process independently and impartially.

He was addressing a one-day international conference on "Model Standards for Electoral Observers" at Graphic Era Hill University on Friday. Over 400 participants from various faculties, including academics from over 20 universities and representatives from election management units from the United States, Romania, Ireland, Indonesia, Uzbekistan, Hungary and Nepal participated in the conference that was held in a hybrid mode.

Purushottam said that the conference reflects the spirit of India during its presidency of International IDEA, under which efforts are being made to strengthen the election management units by bringing together academicians, election management units and international experts on one platform and exchanging knowledge.

Addressing the conference in a virtual mode the senior deputy election commissioner of the Election Commission of India, Gyanesh Kumar Bharti said that the active and impartial presence of observers makes the election machinery function more effectively, transparently and responsively during elections. He said that in a democratic system, the public's faith in the electoral process should remain intact under all circumstances and this is the supreme responsibility of every observer.

The vice chancellor of the Graphic Era Hill University, Tavssum Naqvi, while delivering the welcome address, said that the efforts being made by the Election Commission to prepare modern training modules in coordination with various educational institutions and subject experts are commendable.

In the second session of the conference additional commissioner of CGST, Dehradun, Arun Kumar Gupta discussed in detail the role of expenditure observers in elections. He explained that there is potential for developing more effective monitoring mechanisms to monitor new methods of candidate campaigning on digital and social media platforms during elections.

State Police Training nodal officer Inspector General Anant Shankar Takwale elaborated on the role of police observers. He said that in the era of artificial intelligence, future challenges can be mitigated by developing election technology globally.

The additional CEO Vijay Kumar Jogdande elaborated on the role of observers in election management in various countries. Haridwar district magistrate Mayur Dixit highlighted the role of field machinery in election management for ensuring fair voting.

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

अमर उजाला

चुनाव प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रखना प्रेक्षक का दायित्व : ज्ञानेश कुमार

गाई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में मॉडल स्टैंडर्ड्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कांफ्रेंस में अमेरिका, रोमानिया, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, हंगरी और नेपाल समेत 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के 400 से अधिक प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. एसबीआरसी पुरुषोत्तम ने कहा कि चुनाव प्रेक्षक की मुख्य भूमिका निष्पक्ष मॉनिटरिंग के जरिये निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनविश्वास को सुदृढ़ करना है।

भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि हर परिस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व है। विभिन्न सत्रों में आयोजित परिचर्चाओं के दौरान चुनाव प्रबंधन में व्यय प्रेक्षकों की भूमिका,

ग्राफिक एरा हिल विवि में चुनाव आयोग की अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में बोलते अधिकारी - संवाद

ग्राफिक एरा हिल विवि में चुनाव आयोग की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

सोशल मीडिया पर निगरानी और पुलिस प्रेक्षकों के दायित्वों पर विस्तार से मंथन किया गया।

वक्ताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक के दौर में चुनावी चुनौतियों से निपटने और भविष्य के लिए बेहतर तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। विशेष परिचर्चा सत्र हुआ, जिसका संचालन डॉ. ताहा सिद्दीकी ने किया। इसमें अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन में प्रेक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञ, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन डॉ. हिमानी बिन्जोला ने किया।

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

दैनिक जागरण

जनविश्वास मजबूत करते हैं प्रेक्षक : पुरुषोत्तम

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून : मुख्य चुनाव अधिकारी डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कहा कि चुनाव में प्रेक्षक की भूमिका बेहद अहम होती है। चुनाव प्रेक्षक का दायित्व पूरी निर्वाचन प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निगरानी करते हुए पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास को मजबूत करना है।

देहरादून स्थित ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में माडल स्टैंडर्ड्स फार इलेक्टोरल आब्जर्वर विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। सम्मेलन में भारत समेत सात देशों के चुनाव प्रबंधन विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और अधिकारियों ने चुनाव प्रेक्षकों के लिए वैश्विक मानकों, नई चुनौतियों और आधुनिक तकनीकों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन संस्थाओं, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से निर्वाचन प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि प्रेक्षकों की सक्रिय और निष्पक्ष उपस्थिति से चुनावी तंत्र अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनता है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व है। सम्मेलन में संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानिया, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, हंगरी और नेपाल के चुनाव प्रबंधन संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों तथा 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हाइब्रिड माध्यम से भाग लिया।

सम्मेलन के सत्रों में चुनाव और प्रेक्षकों की कार्यप्रणाली पर हुई चर्चा

सम्मेलन के दूसरे सत्र मे सीजीएसटी देहरादून के अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता ने व्यय प्रेक्षक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए चुनाव प्रचार मे डिजिटल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के मद्देनजर प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता बताई। स्टेट पुलिस ट्रेनिंग के नोडल आइजी अनंत शंकर ताकवले ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीको के उपयोग से भविष्य की चुनावी चुनौतियो का बेहतर समाधान किया जा सकता है। विशेष परिचर्चा मे अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा विजय कुमार जोगदंडे ने विभिन्न देशो मे चुनाव प्रेक्षको की कार्यप्रणाली का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया, जबकि हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने मे फील्ड मशीनरी की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। तीसरे तकनीकी सत्र मे आइआइआइडीईएम, आइआइएम काशीपुर, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, दून विश्वविद्यालय और ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने चुनाव प्रबंधन, प्रशिक्षण माड्यूल और प्रेक्षको की क्षमता संवर्धन से जुड़े विभिन्न विषयो पर अपने शोधपत्र और प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए। सम्मेलन मे संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित विभिन्न संस्थानो के शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी मे आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का उद्घाटन करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा बीवीआरसी पुरुषोत्तम व अन्य अतिथिगण • सूचि

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड
Chief Electoral Officer, Uttarakhand

विश्वकर्मा भवन प्रथम तल, सचिवालय परिसर देहरादून 248001

शाह टाइम्स

वैश्विक स्तर पर हुआ चुनाव प्रेक्षकों भूमिका पर महा मंथन

■ मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर विषय पर एक दिवसीय इंरटनेशनल कांफ्रेंस आयोजित, कई देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में "मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर" विषय पर एक दिवसीय इंरटनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई। इस कांफ्रेंस में अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानियां, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उजबेगिस्तान, हंगरी, नेपाल के चुनाव प्रबंधन इकाईयों प्रतिनिधियों सहित 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद सहित विभिन्न संकायों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हाईब्रिड मोड में हिस्सा लिया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ वी. वी. आर.सी. पुरुषोत्तम ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह सम्मेलन इंटरनेशनल आईडिया की अध्यक्षता के दौरान भारत की उस भावना को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत शिक्षाविदों, चुनाव प्रबंधन इकाईयों तथा अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर ज्ञान के आदान-प्रदान कर चुनाव प्रबंधन ईकाईयों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक चुनाव प्रेक्षक की भूमिका स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का मॉनिटर कर निर्वाचन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास को सुदृढ़ बनाने में योगदान देना है।कांफ्रेंस के दौरान विशेष परिचर्चा सत्र किया गया। परिचर्चा के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन में प्रेक्षकों की भूमिका को विस्तारपूर्वक रेखांकित किया। जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित ने चुनाव प्रबंधन के दौरान निष्पक्ष मतदान के लिए फील्ड मशीनरी की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सत्र में ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की डॉ. तहा सिद्धकी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के तीसरे सत्र में आईआईआईडीईएम से थीमेटिक ग्रुप सुपरवाईजर डा. कृतिका माथुर, आईआईएम काशीपुर से प्रो. दिलीप कुमार ,उत्तरांचल यूनिवर्सिटी से प्रो. राधे श्याम झा, दून यूनिवर्सिटी से प्रो. हर्ष डोभाल एवं ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी से प्रो. डेजी एलेक्जेंडर ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. हिमानी बिंजोला ने किया।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चन्द्र दुम्का,उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी,सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तु दास सहित विभिन्न संस्थानों से शिक्षाविद,रिसर्च स्कॉलर्स एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखाना प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व: ज्ञानेश

भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअल माध्यम से कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रेक्षकों की सक्रिय एवं निष्पक्ष उपस्थिति से चुनाव के दौरान इलेक्शन मशीनरी अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी ढंग से कार्य करती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का निर्वाचन प्रक्रिया पर विश्वास हर परिस्थिति में अक्षुण्ण बना रहना चाहिए यही प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व है। उद्घाटन सत्र के दौरान ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. तवस्सुम नकवी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों के समन्वय से आधुनिक ट्रेनिंग मॉडयूल तैयार करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

अरुण गुप्ता ने चुनाव में व्यय प्रेक्षक की भूमिका के बारे में की विस्तृत चर्चा

कांफ्रेंस में दूसरे सत्र में परिचर्चा के दौरान सीजीएसटी देहरादून के अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता ने चुनाव में व्यय प्रेक्षक (एक्पेंडिचर ऑब्जर्वर) की भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वर्तमान में चुनाव के दौरान डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफार्म में प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार के नए-नए तरीकों पर भी और प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करने की सम्भावना है। स्टेट पुलिस ट्रेनिंग नोडल आईजी अनंत शंकर तावखले ने पुलिस प्रेक्षक की भूमिका पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के दौर में वैश्विक स्तर पर चुनाव तकनीक को विकसित कर भविष्य की चुनौतियों को कम किया जा सकता है।

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड
Chief Electoral Officer, Uttarakhand

विश्वकर्मा भवन प्रथम तल, सचिवालय परिसर देहरादून 248001

दैनिक भास्कर

वैश्विक स्तर पर चुनाव प्रेक्षकों की भूमिका पर महामंथन

- मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर विषय पर कांफ्रेंस

भास्कर समाचार सेवा

इंटरनेशनल कांफ्रेंस का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में "मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर" विषय पर एक दिवसीय इंरटनेशनल कांफ्रेंस आयोजित की गई। इस कांफ्रेंस में अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानियां, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उजबेगिस्तान, हंगरी, नेपाल के चुनाव प्रबंधन इकाईयों प्रतिनिधियों सहित 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद सहित विभिन्न संकायों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हाईब्रिड मोड में हिस्सा लिया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी. वी. आर.सी. पुरुषोत्तम ने कहा कि यह सम्मेलन इंटरनेशनल आईडिया की अध्यक्षता के दौरान भारत की उस भावना को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत शिक्षाविदों, चुनाव प्रबंधन इकाईयों तथा अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर ज्ञान के आदान-प्रदान कर चुनाव प्रबंधन इकाईयों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक चुनाव प्रेक्षक की भूमिका स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का मॉनिटर कर निर्वाचन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास को सुदृढ़ बनाने में योगदान देना है।

भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअल माध्यम से कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रेक्षकों की सक्रिय एवं निष्पक्ष उपस्थिति से चुनाव के दौरान इलेक्शन मशीनरी अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी ढंग से कार्य करती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का निर्वाचन प्रक्रिया पर विश्वास हर परिस्थिति में अक्षुण्ण बना रहना चाहिए यही प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व है। उद्घाटन सत्र के दौरान ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. तवस्सुम नकवी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों के समन्वय से आधुनिक ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

कांफ्रेंस में दूसरे सत्र में परिचर्चा के दौरान सीजीएसटी देहरादून के अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता ने चुनाव में व्यय प्रेक्षक की भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वर्तमान में चुनाव के दौरान डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफार्म में प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार के नए-नए तरीकों पर भी और प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करने की सम्भावना है।

स्टेट पुलिस ट्रेनिंग नोडल आईजी अनंत शंकर ताकवले ने पुलिस प्रेक्षक की भूमिका पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के दौर में वैश्विक स्तर पर चुनाव तकनीक को विकसित कर भविष्य की चुनौतियों को कम किया जा सकता है।

कांफ्रेंस के दौरान विशेष परिचर्चा सत्र किया गया। परिचर्चा के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन में प्रेक्षकों की भूमिका को विस्तारपूर्वक रेखांकित किया। जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित ने चुनाव प्रबंधन के दौरान निष्पक्ष मतदान के लिए फील्ड मशीनरी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के तीसरे सत्र में आईआईआई डीईएम से थीमेटिक ग्रुप सुपरवाईजर डा. कृतिका माथुर, आईआईएम काशीपुर से प्रो. दिलीप कुमार ,उत्तरांचल यूनिवर्सिटी से प्रो. राधे श्याम झा, दून यूनिवर्सिटी से प्रो. हर्ष डोभाल एवं ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी से प्रो. डेजी एलेक्जेंडर ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. हिमानी बिंजोला ने किया।

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

अमृत विचार

मंथन | ग्राफिक एरा में 'मॉडल स्टैंडर्ड्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 400 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

निष्पक्ष चुनाव में प्रेक्षकों की भूमिका अहम : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

वरिष्ठ संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. चि.चि.आर.सी. पुरुषोत्तम ने कहा कि, एक चुनाव प्रेक्षक (इलेक्टोरल ऑब्जर्वर) की भूमिका स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को मॉनिटर कर निर्वाचन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनविश्वास को सुदृढ़ बनाने में योगदान देने की है।

शुक्रवार को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में 'मॉडल स्टैंडर्ड्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को डॉ. पुरुषोत्तम ने सम्बोधित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन इंटरनेशनल आईडिया की अध्यक्षता के दौरान भारत की

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते सीईओ डॉ. पुरुषोत्तम, साथ में मौजूद वरिष्ठ अधिकारी।

उस भावना को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत शिक्षाविदों, चुनाव प्रबंधन इकाईयों तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर ज्ञान के आदान-प्रदान कर चुनाव प्रबंधन इकाईयों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र के दौरान वीसी, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी प्रो. तबस्सुम नकवी ने स्वागत भाषण में कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं विषय विशेषज्ञों के समन्वय से आधुनिक ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

कॉन्फ्रेंस में संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानिया, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान, हंगरी, नेपाल के चुनाव प्रबंधन इकाईयों प्रतिनिधियों सहित 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद सहित विभिन्न संकायों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने हाईब्रिड मोड में हिस्सा लिया। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी पीसी दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित शिक्षाविद,रिसर्च स्कॉलर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हर दशा में विश्वास प्रत्येक प्रेक्षक का दायित्व

भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअल माध्यम से कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रेक्षकों की सक्रिय एवं निष्पक्ष उपस्थिति से चुनाव के दौरान इलेक्शन मशीनरी अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी ढंग से कार्य करती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का निर्वाचन प्रक्रिया पर विश्वास हर परिस्थिति में 'अक्षुण्ण' बना रहना चाहिए, यही प्रत्येक प्रेक्षक का सर्वोच्च दायित्व है।

चुनाव प्रबंधन में प्रेक्षकों की भूमिका

विशेष परिचर्चा सत्र में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन में प्रेक्षकों की भूमिका को विस्तारपूर्वक रेखांकित किया। डीएम हरिद्वार मयूर दीक्षित ने चुनाव प्रबंधन के दौरान निष्पक्ष मतदान के लिए फील्ड मशीनरी की भूमिका पर प्रकाश डाला। सत्र संचालन डॉ. ताहा सिद्दीकी ने किया।

प्रभावी निगरानी तंत्र की आवश्यकता

कॉन्फ्रेंस के दूसरे सत्र में परिचर्चा में सीजीएसटी देहरादून के अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता ने चुनाव में व्यय प्रेक्षक की भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चुनाव के दौरान डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफार्म में प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार के नए-नए तरीकों पर भी और प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। आईजी अनंत शंकर ताकवले ने पुलिस प्रेक्षक की भूमिका पर कहा कि, एआई के दौर में वैश्विक स्तर पर चुनाव तकनीक को विकसित कर भविष्य की चुनौतियों को कम किया जा सकता है।

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner

हिन्दुस्तान

चुनाव प्रेक्षकों की भूमिका पर हुआ मंथन

देहरादून। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को 'मॉडल स्टैंडर्ड्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कहा कि चुनाव प्रेक्षक स्वतंत्र, निष्पक्ष मॉनिटरिंग से जनविश्वास मजबूत करते हैं और भारत की चुनाव प्रणाली का दुनिया अनुसरण कर रही है। वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारती ने वर्चुअली संबोधित किया। सीजीएसटी के अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता, आईजी अनंत शंकर ताकवले, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, डीएम मयूर दीक्षित, वीसी प्रो. तवस्सुम नकवी समेत अमेरिका, रोमानिया, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उज्बेकिस्तान आदि देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

AnyScanner
AnyScanner
AnyScanner